

# ओ कान्हा आ रे तू आज्ञा मोहन गिरधारी लिरिक्स



ओ कान्हा आ रे,  
तू आज्ञा मोहन गिरधारी,  
की तरसे गुजरिया सारी,  
पुकारे राधा बेचारी,  
ओ कान्हा आ रे।

o kanha aa re tu aaja mohan girdhari lyrics

तर्ज - ओ बाबुल प्यारे।

---

सुना पड़ा है मधुबन सारा,  
तेरे बिना ओ कान्हाई,  
ओ कान्हा रे,  
सुना पड़ा है मधुबन सारा,  
तेरे बिना ओ कान्हाई,  
आज्ञा सुना जमना तट,  
तुझ बिन सुना है पनघट,  
सुना सुना गुजरियों का मन,  
ओ कान्हा आ रे।

---

यमुना किनारे गुजरियों के,  
कपड़ों को कौन चुराए,  
ओ कान्हा रे,  
यमुना किनारे गुजरियों के,  
कपड़ों को कौन चुराए,  
सुनी ग्वालों की टोली,  
सुने तेरे हमजोली,  
सुने सुने है सबके नयन,  
ओ कान्हा आ रे।

---

अपना बना के क्यों बिसराया,  
ओ निर्मोही बता जा,  
ओ कान्हा रे,  
अपना बना के क्यों बिसराया,  
ओ निर्मोही बता जा,  
आज्ञा माखन खा ले रे,  
हमको लाख सता ले रे,

**Bhajan Diary Lyrics,**

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

ओ कान्हा आरें।bd।



ओ कान्हा आ रे,  
तू आज मोहन गिरधारी,  
की तरसे गुजरिया सारी,  
पुकारे राधा बेचारी,  
ओ कान्हा आरें।bd।

Singer – Mukesh Bagda Ji